जन जन को देना शिव सन्देश
यह है परमपिता का आदेश
भारत भूमि को बनाना स्वर्णिम देश
धरती पर आया भगवन ,मिटाने कलह-क्लेश
घर- घर, गली- गली, चारों तरफ,पहन कर रूहानी वेश
पहुँचना यह शांति- सुख -पवित्रता का पैगाम
कलयुग का हो रहा अंत,सतयुग है आने वाला
समय का चक्र फिरता रहता,नया सेवरा जरूर होता
अति का भी अंत होता , तब ही तो होता फिर सिजरा
राहु की दशा से मुक्ति मिली, रावण की जेल से छुट्टी मिली
वृक्षपति की दशा अब है बैठी, सीता की अंतिम परीक्षा लेती
पवित्रता का सबकों देना सबूत,तुम हो सच्चे सपूत
अपने पावन घर शान्तिधाम को पावन बनकर ही जाना
करना यह ईश्वर बाप से पक्का वायदा,जिससे होता 21 जन्म फायदा
कायदे की रसम निभानी ,दे कर तन- मन -धन की बलिदानी